रायबरेली जनपद (उत्तर प्रदेश) में यौन अनुपात के प्रवृत्ति और प्रतिरूप का स्थानिक–कालिक विश्लेषण

दीपेन्द्र तिवारी

शोध छात्र

भूगोल विभाग

पी0जी0 कालेज, मलिकपुरा, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश

सम्बद्ध – वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश

Abstract (सारांश):–

किसी भी जनसंख्या में महिलाओं व पुरुषों के बीच संतुलन ही लिंग संघटन को प्रदर्शित करता है। यह भारत में 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या के रूप में देखा जाता है। भारत में लिंगानुपात की दृष्टि से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न धार्मिक समुदायों में पर्याप्त अंतर देखने को मिल जाता है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात शहरों की तुलना में अधिक पाया जाता हैं प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से रायबरेली जनपद उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात एवं बाल लिंगानुपात के स्थानिक एवं कालिक प्रवृत्ति एवं प्रतिरूप का विश्लेषण किया गया। इसके अतिरिक्त लिंगानुपात एवं साक्षरता के बीच सहसंबंध भी ज्ञात किया गया, क्योंकि साक्षरता किसी भी जनसंख्या विशेष के विकास का एक प्रमुख संकेतक होता है। यह अध्ययन मुख्यतः द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है जो कि जनगणना जिला पुस्तिका से एकत्रित किया गया है।

Keyword : – लिंगानुपात, स्थानिक एवं कालिक प्रतिरूप साक्षरता, सहसम्बन्ध

Introduction (प्रस्तावना) :–

जनसंख्या संघटन के विभिन्न अवयवों में शोधार्थियों एवं जनसांख्यिकीयविदों के लिए लिंगानुपात एक महत्वपूर्ण अवयव है। लिंगानुपात किसी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का एक सूचक भी है तथा प्रादेशिक विश्लेषण के लिए अत्यंत लाभदायक यंत्र है (फ्रैंकलिन, 1956)।

लिंगानुपात का प्रभाव अन्य जनसांख्यिकीय तत्वों जैसे जनसंख्या वृद्धि, विवाह दर, व्यावसायिक संरचना पर भी माना गया है (श्रेयांक, 1976) किसी जनसंख्या के संख्यात्मक लिंग संघटन मापन को लिंगानुपात कहा जाता है।

विभिन्न देशों में इसका मापन भिन्न–भिन्न सूत्रों से किया जाता है। भारत में लिंगानुपात की परिकल्पना प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में की गई है। लिंगानुपात में विभिन्नता का मुख्य कारण राष्ट्रों के परस्पर सामाजिक आर्थिक विकास स्तर जीवन का रहन सहन एवं स्त्रियों की सामाजिक स्तर एवं अर्थव्यवस्था में भागीदारी इत्यादि है (चांदना, 1987)।

Study Area (अध्ययन क्षेत्र) :–

रायबरेली जिला अंग्रेजों द्वारा 1858 में बनाया गया था। परंपरा यह है कि शहर भरों द्वारा स्थापित किया गया था जो भरौली या बरौली के नाम से जाने जाते थे जो कालांतर में परिवर्तित होकर बरेली हो गया। उपसर्ग राय का संबंध कायस्थ से है जो कि एक समय विशेष में शहर के स्वामी थे और उपाधि के तौर पर रायसेन का प्रतिनिधित्व करते थे।

रायबरेली उत्तर प्रदेश राज्य में गोमती नदी की सहायक सई नदी की खादर बांगर क्षेत्र है। जो उत्तर के विशाल गंगा के मैदान का ही भाग है। रायबरेली जनपद के उत्तर में जनपद बाराबंकी एवं लखनऊ उत्तर पश्चिम में उन्नाव पश्चिम में कानपुर दक्षिण दक्षिण पश्चिम फतेहपुर दक्षिण में कौशांबी एवं पूर्व में प्रतापगढ़ सुल्तानपुर अमेठी जनपद स्थित है। इसका अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार क्रमशः 25^0 49′उत्तर से 26^0 36′उतर तक एवं 80^0 41′ पूर्व से 81^0 34′ पूर्व तक स्थित है।

रायबरेली जनपद कुल 6 तहसील (महाराजगंज, सलोन, ऊंचाहार, डलमऊ, लालगंज एवं रायबरेली) में विभाजित है। 2011 की जनगणना के अनुसार रायबरेली की कुल जनसंख्या 2903507 थी जिसमें 1495244 पुरुष एवं 1408263 महिलाएं थी।

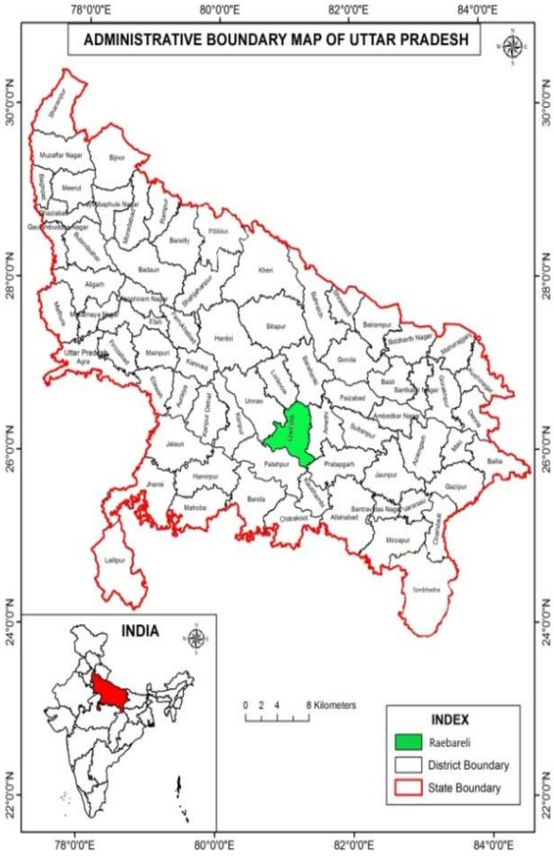

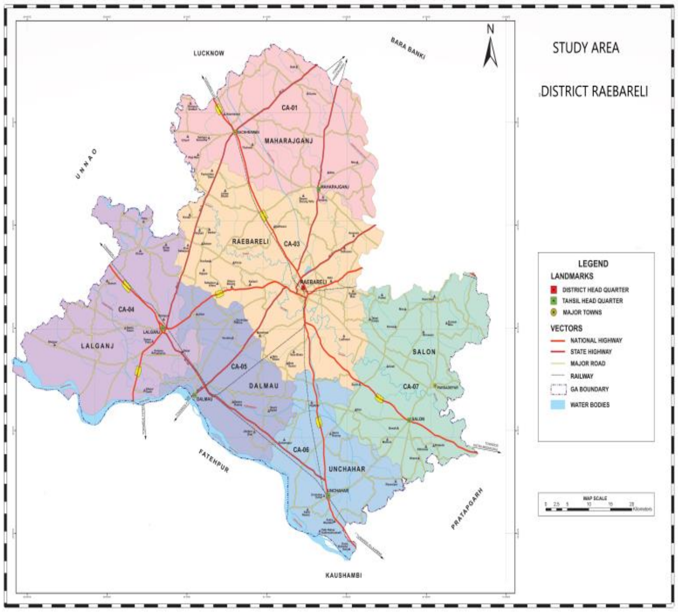

Objective (उद्देश्य):–

प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति की गई।

1. अध्ययन क्षेत्र में लिंगानुपात में हुए स्थानिक कालिक परिवर्तन का अध्ययन करना।
2. साक्षरता और लिंगानुपात के मध्य से सहसंबंध ज्ञात करना।

Research Methodology (शोध विधि तंत्र):–

प्रस्तुत शोध पत्र जनसंख्या के द्वितीय प्रकार के आंकड़ों पर आधारित है। कंप्यूटर के इस युग में जनसंख्या से संबंधित वर्तमान व पूर्व द्वितीयक प्रकार के आंकड़ों की उपलब्धता नेट व सभी जिला मुख्यालयों के एनआईसी (NIC) पर विद्यमान है। फलस्वरुप जनपद व राज्यस्तरीय जनसंख्या के संकलित द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित जनसंख्या का अनेक प्रकार से अध्ययन करना सरल हो जाता है। सरलता के आधार पर राज्य के दशक वार आंकड़ों का अध्ययन करने से स्पष्ट हुआ कि राज्य तथा रायबरेली जनपद में लिंगानुपात का लगातार ह्रास हुआ है। रायबरेली में बालिकाओं की संख्या में लगातार हो रही कमी को मानचित्र तथा रेखा चित्र द्वारा स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

Results and Discussion (परिणाम एवं परिचर्चा)

लिंगानुपात का कालिक प्रतिरूप

लिंगानुपात एक निश्चित समय विशेष में समाज में पुरुषों एवं महिलाओं के मध्य समानता को मापने का एक महत्वपूर्ण सूचक है। भारत के संदर्भ में लिंगानुपात हमेशा पुरुषों की ओर झुका हुआ मिलता है, और लिंगानुपात लगातार घटता बढ़ता रहता है। यही स्थिति उत्तर प्रदेश और अध्ययन क्षेत्र रायबरेली की भी मिलती है।

सारणी संख्या 1 से स्पष्ट है कि भारत, उत्तर प्रदेश और रायबरेली में समय के साथ लिंगानुपात में अस्थिरता की स्थिति लगातार दिखाई पड़ती है। 1971 के दौरान भारत में लिंगानुपात 941 से घटकर 930 हो गया। 1981 में कुछ बढ़ने के बाद पुनः 1991 में घटकर 927 पर पहुंच गया जो कि सबसे कम लिंगानुपात है। 2001 और 2011 में लिंगानुपात की स्थिति में मामूली सुधार रहा है जो कि क्रमशः 933 और 940 हो गया।

सारणी संख्या 1:– रायबरेली उत्तर प्रदेश एवं भारत में लिंगानुपात का कालिक परिवर्तन (1901–2011)

वर्ष	भारत	उत्तर प्रदेश	रायबरेली
1901–1911	972	916	991
1911–1921	964	908	972
1921–1931	955	903	973
1931–1941	950	907	975
1941–1951	946	908	954
1951–1961	941	907	965
1961–1971	930	876	944
1971–1981	934	882	941
1981–1991	927	876	931
1991–2001	933	898	951
2001–2011	940	912	943

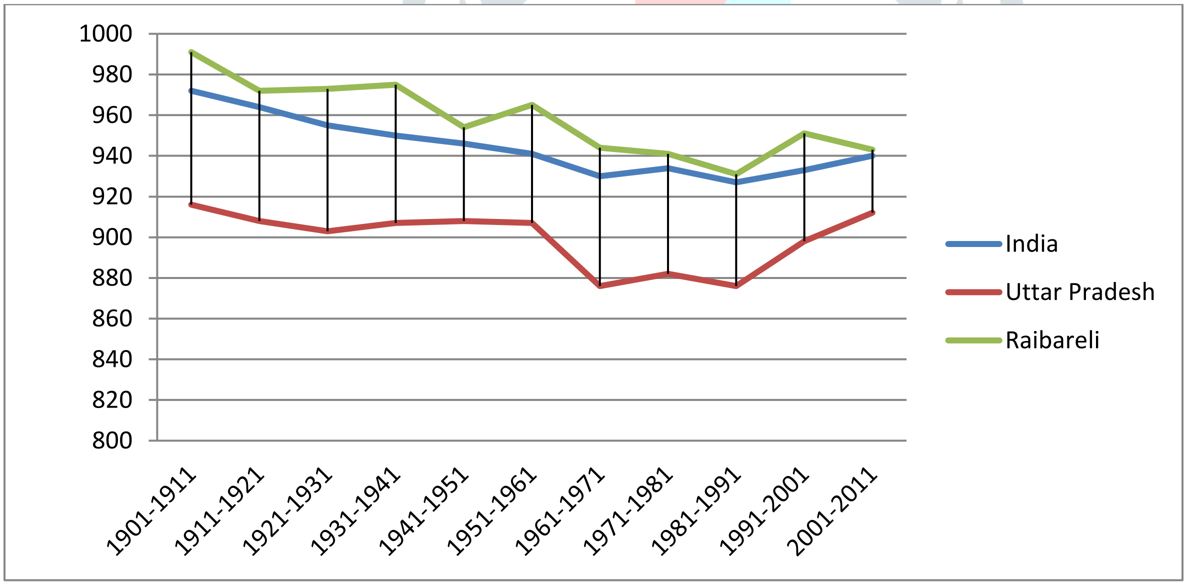

Source: - Census District Handbook, & Census of India (1901 -2011)

उत्तर प्रदेश के संदर्भ में बात करें तो जहां 1901 में लिंगानुपात 916 था वहीं 1951 में घटकर 908 हो गया। 1951 के बाद लिंगानुपात में लगातार गिरावट देखी जा सकती है, 1991 तक गिरकर 876 हो गया। 2001 को 2011 में लिंगानुपात में उत्तरोत्तर वृद्धि देखी जा सकती है।

रायबरेली में लिंगानुपात प्रत्येक दशक में राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तर से अच्छी स्थिति में दिखाई पड़ता है। 1950 में जनपद का लिंगानुपात 954 था जो 1961 में बढ़कर 965 हो गया। पुनः 1971 में घटकर 944 और 1981 में घटकर 941 हो गया। वर्तमान जनगणना 2011 के अनुसार अध्ययन क्षेत्र का लिंगानुपात 943 है जो कि राष्ट्रीय स्तर के लगभग बराबर है।

सारणी संख्या 2:– नगरीय एवं ग्रामीण लिंगानुपात (रायबरेली एवं उत्तर प्रदेश) 1901–2011

वर्ष	उत्तर प्रदेष		रायबरेली	
	ग्रामीण	नगरीय	ग्रामीण	नगरीय
1901	941	916	1028	997
1911	922	866	994	931
1921	918	834	976	880
1931	916	813	977	870
1941	922	824	979	892
1951	922	827	959	857
1961	921	817	968	868
1971	884	826	946	879
1981	889	850	948	854
1991	879	864	936	877
2001	904	876	955	914
2011	918	894	945	924

Source:- Census District Handbook & Census of India (1901 - 2011)

अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण नगरीय लिंगानुपात की प्रवृत्ति यह प्रदर्शित करती है, कि ग्रामीण नगरीय लिंगानुपात मे बहुत अधिक विषमता है। प्रत्येक दशक में ग्रामीण लिंगानुपात नगरीय लिंगानुपात से अधिक और उनके मध्य अंतर भी बहुत अधिक रहा है। 1981 के दशक से नगरीय लिंगानुपात में उत्तरोत्तर वृद्धि देखी जा सकती है परंतु ग्रामीण लिंगानुपात से समानता की स्थिति में अभी भी नहीं है। ग्रामीण नगरीय लिंगानुपात के मध्य असमानता लगातार घट रहा है जो कि लिंगानुपात के दृष्टिकोण से अच्छा संकेत है।

सारणी संख्या 3:–

	Min	Max	Mean	Medium	SD	Skewnes	Kurtosis
Total Population	931	1026	963.83	959.5	26.23	1.18	-1.73
Rural	936	1028	967.58	963.5	25.63	1.16	-1.62
Urban	854	997	895.33	879.5	40.73	1.53	-2.58

Source :- Census District Handbook & Census of India (1901 -2011) self calculated-

सारणी संख्या 3 से स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य लिंगानुपात से नगरीय लिंगानुपात कम है। नगरीय लिंगानुपात नगरी केंद्रों के लोगों के सामाजिक आर्थिक और गुणात्मक जीवन को निश्चित करने का एक मुख्य कारण बन सकता है। मानक विचलन से स्पष्ट है नगरीय लिंगानुपात ग्रामीण लिंगानुपात की तुलना में बहुत अधिक तितर–बितर की अवस्था में है।

लिंगानुपात का स्थानिक प्रतिरूप

पूर्व में हुए अध्ययन से यह ज्ञात हुआ है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों को वरीयता देने का परिणाम लिंगानुपात में असंतुलन की स्थिति पैदा करता है (बारखड़े (2012)। झा व अन्य (2006) के अनुसार लड़कियों की संख्या में कमी माता–पिता के लिंग निर्धारण और भ्रूण हत्या का परिणाम है। रायबरेली जनपद के सभी 18 विकास खंडों को 3 मुख्य वर्ग में विभाजित किया गया।

1– उच्च वर्ग लिंगानुपात

उच्च श्रेणी में उस विकासखंड को रखा गया है जिसके लिंगानुपात 950 के ऊपर है इस श्रेणी में छतोह, डीह , सलोन, रोहनिया, सतांव व डलमऊ विकासखंड आते हैं।

2–मध्यमवर्ग लिंगानुपात

इस श्रेणी में उन विकासखंड को शामिल किया गया है जिनका लिंगानुपात 940 से 950 के मध्य है इस वर्ग में क्रमशः जगतपुर , ऊंचाहार विकासखंड आते हैं।

3–निम्न वर्ग लिंगानुपात

9 विकासखंड निम्न वर्ग लिंगानुपात में आते हैं जो क्रमशः सरेनी, लालगंज, दीन शाह गौरा, अमावां, हरचंदपुर, महाराजगंज, राही, बछरावां व शिवगढ़ इत्यादि।

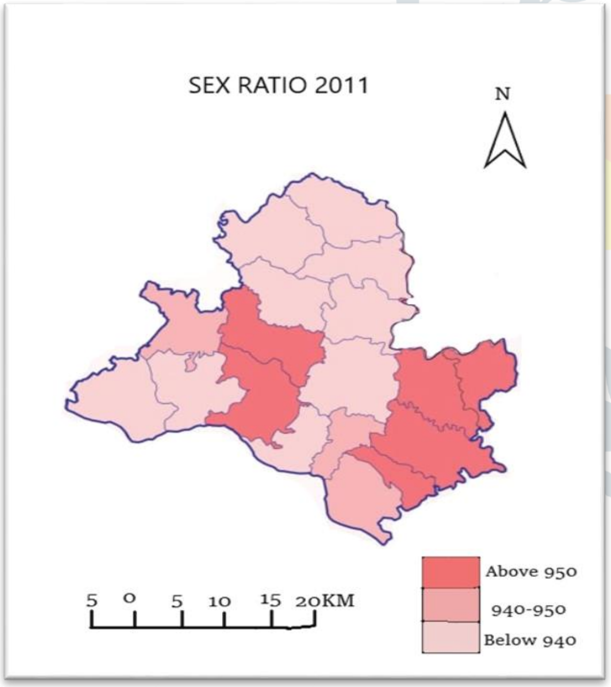

साक्षरता एवं लिंग अनुपात के मध्य सहसंबंध

सामान्यतः किसी भाषा में किसी संदेश को पढ़ या लिख लेना ही साक्षरता कहलाता है। साक्षरता गरीबी उन्मूलन एवं मानसिक आइसोलेशन को दूर करने एवं शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। पुरुष एवं महिलाओं की शिक्षा देश के संपूर्ण विकास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। बदलते स्वरूप में महिलाओं में जागरूकता का विकास हुआ है और वह अपना स्वयं का इंटरप्राइजेज प्रारंभ की है (बर्मन 2014)। जहां 1901 साक्षरता दर 9.23 थी वहीं 1941 में बढ़कर 17.30 हो गयी। साक्षरता एवं लिंगानुपात जनसंख्या के दो महत्वपूर्ण जनांकिकी स्वरूप है जहां साक्षरता लिंगानुपात को सुदृढ़ करने में विशद भूमिका अदा करता है। साक्षरता जनसंख्या के विभिन्न पक्षों को जैसे जन्म तथा मृत्यु मृत्यु दर जन्म दर जीवन स्तर का मानक प्रवास को प्रभावित करता है पुरुषों व महिलाओं की संख्या में समानता लाने में साक्षरता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (देसाई एवं ओझा, 2016)।

गॉडसे (2014) और सालके (2016) ने बताया कि साक्षरता व लिंगानुपात में नकारात्मक संबंध है और यह पाया कि जहां साक्षरता दर अधिक है वहां सामान्यतः लिंगानुपात कम है। रायबरेली में लिंगानुपात व साक्षरता के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के लिए स्पियरमन रैंक विधि का प्रयोग किया गया और अध्ययन में यह पाया गया कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता और लिंगानुपात में नकारात्मक सहसंबंध (−0.16)अर्थात जिस विकासखंड में सामान्यतः उच्च साक्षरता दर है वहा लिंगानुपात कम है।

सारणी संख्या 4:– साक्षरता एवं लिंग अनुपात के मध्य सहसंबंध

विकासखंड	लिंग अनुपात	साक्षरता	R1	R2	D	D^2
बछरावां	926	67.76	15	7	8	64
शिवगढ़	928	67.07	14	9	5	25
महाराजगंज	938	60.68	9	14	−5	25
हरचंदपुर	931	68.28	12	6	6	36
अमावां	930	68.28	13	6	7	49
सतांव	951	67.58	5	8	−3	9
राही	925	66.52	16	11	4	16
खीरो	947	70.65	6	3	3	9
सरेनी	932	76.81	11	1	10	100
लालगंज	932	75.54	11	2	9	81
डलमऊ	951	59.9	5	15	−10	100
जगतपुर	944	68.87	8	4	4	16
डीह	957	59.41	4	16	−12	144
छतोह	986	57.41	1	17	−15	225
सलोन	968	61.97	2	12	−10	100
ऊंचाहार	948	66.47	7	10	−3	9

रोहनिया	964	61.31	3	13	−10	100
दीन शाह गौर	935	68.39	10	5	5	25

Source - District Census Handbook 2011 & self Calculated

$$R = \frac{1-6\sum D^2}{N(N^2-1)}$$

$$R = -0.169$$

निष्कर्ष

आधुनिक युग में भारत जैसा विकासशील राष्ट्र धीरे धीरे शिक्षा व विज्ञान के सहारे नई–नई तकनीकों को अपनाकर आगे बढ़ रहा है। भारत एक बहुधार्मिक, बहुजातीय व भौगोलिक विषमताओं से युक्त राष्ट्र है। इतनी विविधता के कारण ही सामाजिक चिंतन भी अत्यधिक विभिन्नता लिए हुए हैं। उत्तर प्रदेश सहित रायबरेली जनपद में उपर्युक्त तथ्यों का अंतरतम तक समावेश है। जनपद तथा विकासखंड वार अध्ययन से ज्ञात होता है कि 1901 से 2011 के मध्य लिंगानुपात में अत्यधिक उतार–चढ़ाव देखा गया है, लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश और रायबरेली दोनों जगहों पर लिंगानुपात गिरा है जो कि एक अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति को प्रदर्शित करता है। यह समाज, सरकार और स्थानीय निकाय सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है।

References

1- Franklin, S.H. (1956) “The Pattern of Sex Ratio in NewZeland”, Economic Geography, Vol 32

2- Shryock, HS (1976) The Method and Materials of Demography, Academic Press, New York

3- Chandna, R.C. (1967) “Female Working Force of Rural Panjab, 1961, Manpower vol2 no 4

4- Barman, B (2014) An Overview of Women education in India. Journal of Bengal Geographer, vol. 3 pp 108-121

5- Barkhade, A.J.B(2012) Declining Sex Ratio: An analysis with special reference to Maharashtra state, Geosciences Research, 3(1) pp1

6- Desai & Oza, V(2016). A Study on correlation between literacy and sex ratio in Gujrat. Abhinav International Monthly referred journal of Research in Mnagement and Technology, 5 (8), pp 37-42

7- Godse J.M. (2014). Literacy and Sex Ratio in Satara District (Maharastra) Research Front 2 (1) pp29-34

8- Salunke, D.S. (2016) A study of Literacy and Sex Ratio in Meghalaya. Research Revolution-International Journal of Social Science and Management 4(9) pp 23-25

9- Census District Handbook, & Census of India (1901 -2011)

10- https://raebareli.nic.in/